प्रारम्भ

वर्ष–22, अंक: अप्रेल 2018–मार्च 2019

सिकोईडिकोन परिवार की पत्रिका

श्रृद्धा सुमन

श्री शरद जोशी

शरद जी की स्मृति में

कि सिलसिला रूके नहीं . . . . .

23 दिसम्बर, 2018 को अल सुबह शरद जी ने अंतिम सांस ली। उनकी विदाई का अंदाज भी उनकी चिर–परिचित शैली– हार नहीं मानूंगा वाला ही रहा। शरद जी हारकर भी जीतने वाले अनूठे लोगों में से एक थे। अदम्य जीवटता, ऊर्जा, सकारात्मक सोच, काम के प्रति निष्ठा, अद्वितीय प्रबंधकीय कौशल और लोगों को परखने की गजब की क्षमता उनके व्यक्तित्व को अलग ही पहचान देती थी। यह जोशी जी के हृदय की विशालता थी कि उनके साथ जुड़ने वाला व्यक्ति बहुत जल्द स्वयं को उनके परिवार का हिस्सा समझने लगता था। अलग–अलग विचारधारा, भिन्न मतों को मानने वाले व्यक्तियों को बहुत ही सहज़ता से शरद जी अपने संस्थागत परिवार से जोड़ लिया करते थे। लोगों, समुदायों के साथ सहज़ रूप से जुड़कर, घुल–मिलकर काम करने की उनकी इच्छा शक्ति से ही सिकोईडिकोन परिवार का दायरा, गाँव, देश से भी आगे दुनिया के अलग–अलग कोनो तक विस्तारित हुआ।

जीवन यात्रा

श्री शरद जोशी का जन्म मध्यप्रदेश के इन्दौर शहर में निम्न मध्यवर्गीय परिवार में 28 जुलाई 1957 को हुआ। आपने इन्दौर स्कूल ऑफ सोशल वर्क से स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की। विकास की अवधारणा से जुड़े कई महत्वपूर्ण सम्प्रत्यय यथा– अधिकार, समानता, जवाबदेही व सहभागिता के बीज आपकी चेतना में इसी पृष्ठभूमि में प्रस्फटित हुए। आपके जीवन का प्रारम्भिक काल व युवावस्था में श्रमिक संगठनों से जुड़ाव की पारिवारिक पृष्ठभूमि इसमें सहायक हुई। विकास की मुख्यधारा से पिछड़े वर्ग के असन्तोष एवं आवश्यकताओं की समझ आगे चलकर उस वर्ग के लिए काम करने की प्रेरणा बनी जो समाज का आधार तो है परन्तु समानता, शोषण, गरीबी और गैर बराबरी की वजह से निरंतर संघर्षशील है। इस दौर में आपने संगठनों के सामूहिक व रचनात्मक संघर्षों की भीतरी बुनावट व ताकत को समझा जो आगे चलकर न केवल आपकी विकास यात्रा वरन् संगठनों के निर्माण की प्रस्तावना बनी।

रचनात्मक कार्य

1982 में जयपुर (राजस्थान) के आस–पास के क्षेत्रों में आई विनाशकारी बाढ़ रूपी आपदा से प्रभावित लोगों को राहत पहुँचाने के दौरान आपको इस क्षेत्र के छोटे किसानों, मजदूरों, महिलाओं के जीवन के विभिन्न आयामों को नज़दीक से देखने व समझने का अवसर प्राप्त हुआ। राहत कार्य करते हुए श्री जोशी ने अनुभव किया कि जब तक समग्र दृष्टिकोण के साथ स्थानीय समुदायों का सामाजिक, आर्थिक क्षमतावर्धन नहीं होगा तब तक सामाजिक बदलाव की चुनौती बनी रहेगी। इसी सोच के साथ आपने 1982 में चाकसू तहसील में सिकोईडिकोन संस्था की स्थापना की। क्षेत्र सीमित था, मगर दृष्टिकोण व्यापक था। कुछ साथियों को साथ लेकर चाकसू तहसील के गरूड़वासी गाँव से प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के कार्यों से प्रारंभ हुए संस्था के कार्यों से धीरे–धीरे लोगों का विश्वास बढ़ा, विश्वास से जनभागीदारी बढ़ी और आगे चलकर जन भागीदारी से 500 से अधिक जनसंगठन खड़े हुए। इन संगठनों के सशक्तिकरण से कार्यों का क्षेत्र प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन से बाल संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा व कृषि प्रबंधन की ओर क्रमश: सीख और सहभागिता के साथ–साथ विस्तारित होता गया।

महिला सशक्तिकरण के कार्य

महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण न केवल उनके गरिमापूर्ण जीवन बल्कि परिवार में उनकी भागीदारी को भी सुनिश्चित करता है। इसी विचार को दृष्टिगत रखते हुए श्री शरद जोशी के मार्गदर्शन में महिला मण्डलों के माध्यम से किए जा रहे महिला सशक्तिकरण के कार्यों को समेकित करते हुए चाकसू–फागी (जयपुर), निवाई–मालपुरा (टोंक) व शाहबाद (बारां) में बहुउद्देशीय महिला सहकारी समितियों का गठन किया गया।

जलवायु परिवर्तन पर जनजागरूकता

पिछले कुछ वर्षों से विश्व जलवायु परिवर्तन के गंभीर वैश्विक संकट से जूझ रहा है, जिस पर पूरी दुनिया में अलग–अलग स्तरों पर कार्य हो रहा है। जलवायु परिवर्तन का सर्वाधिक प्रभाव खेती व उससे जुड़ी आजीविका पर पड़ रहा है। इस संदर्भ में श्री जोशी लगातार संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आयोजित कॉप सम्मेलनों पर खेती– किसानी पर पड़ रहे जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को सहयोगी संगठनों के माध्यम से पहुँचाने का प्रयास करते रहे। इसके अतिरिक्त सतत् विकास लक्ष्यों पर चल रही विकास की अंतर्राष्ट्रीय प्रक्रिया से आप सक्रिय रूप से जुड़े रहे। इस वैश्विक प्रक्रिया को स्वैच्छिक जगत, किसान संगठन, जनप्रतिनिधि, विधिवेत्ता, मीडिया प्रतिनिधियों के एक समूह 'बियोंड कॉपनहेगन' के माध्यम से जड़स्तर तक पहुँचाने का कार्य सुचारू रूप से किया जा रहा है।

नवाचार

श्री जोशी के नेतृत्व में जल व पर्यावरण संरक्षण, टिकाऊ खेती, बाल संरक्षण व महिला सशक्तिकरण के प्रति जन जागरूकता हेतु आपके द्वारा जल चेतना यात्रा, मालवा जल महोत्सव, पर्यावरण यज्ञ, महिला मेला, बाल मेला, किसान मेला, युवा महोत्सव, न्यायोचित व्यापार अभियान व बाल विवाह के विरूद्ध अभियान जैसे आयोजन विभिन्न संस्थाओं व संगठनों के सहयोग व सहभागिता से आयोजित हुए। इसी संदर्भ में परम्परागत व देशज़ खाद्यान्नों के पोषणीय गुणवत्ता व इनके संरक्षण हेतु आपके द्वारा किया गया खाद्य महोत्सव उल्लेखनीय है। इसके माध्यम से विभिन्न राज्यों के किसानों व जनसंगठनों को स्थानीय बीज व खाद्यान्नों के प्रदर्शन व एक–दूसरे के अनुभवों को साझा करने का महत्वपूर्ण मंच मिला।

कार्यों की स्वीकृति एवं सम्मान

श्री जोशी को कृषि, अकाल प्रबंधन, जल संरक्षण, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं वंचित लोगों के अधिकारों के लिए किए गए कार्यों के लिए वर्ष 1995 में प्रतिष्ठित एडवोकेसी फैलोशिप संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा प्रदान की गई। नेशनल फाउण्डेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा सिकोईडिकोन को स्थानीय भागीदारी के प्रोत्साहन हेतु ''स्थानीय सहभागिता प्रोत्साहन सम्मान 2001'' प्रदान किया गया। पर्यावरण व जल संरक्षण के लिए किए गए सराहनीय कार्यों हेतु संस्था को वर्ष 2011 में राजस्थान के प्रतिष्ठित डालमिया ट्रस्ट द्वारा डालमिया पुरस्कार प्रदान किया। इसके अतिरिक्त देश के ख्याति प्राप्त श्री कैलाश मठ ट्रस्ट नासिक (महाराष्ट्र) द्वारा प्रतिष्ठित 'सरस्वती सम्मान' से श्री जोशी सम्मानित किए गए। संयुक्त राज्य अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री बिल क्लिंटन की राजस्थान यात्रा के दौरान महिला मंडल की सदस्यों से उनकी मुलाकात व उनके कार्यों की सराहना अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा की गई।

सामाजिक कार्यों से जुड़ाव

स्वैच्छिक संस्थाओं के माध्यम से विकास के विभिन्न कार्यों को आगे बढ़ाने हेतु श्री शरद जोशी डीसीएनसी ट्रस्ट (डवलपमेंट कोर्डिनेशन नेटवर्क कमेटी), पैरवी (पब्लिक एडवोकेसी इनीशिएटिव्ज़ फॉर राइट्स एण्ड वैल्यूज़ इन इंडिया), जल प्रहरी, सीडीएचआर (सेंटर फॉर दलित ह्यूमन राइट्स), स्वराज़ (सोशल वर्क एकेडमी फॉर रिसर्च एक्शन, जयपुर), संस्थाओं के संस्थापक रहे। इसके अतिरिक्त आप हरिजन सेवक संघ, आशा संस्था के अध्यक्ष व कट्स, वाणी, कपार्ट, उद्योगिनी, फुड एण्ड न्यूट्रिशियन कोइलेशन, संसद (साउथ एशियन नेटवर्क फॉर सोशल एण्ड एग्रीकल्चर डवलपमेंट), विकास अध्ययन संस्थान, जयपुर, साधन, दिल्ली जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के सदस्य रहे।

समग्र दृष्टिकोण, सहभागिता और जवाबदेही को अपने कार्यों के मूल में रखते हुए श्री जोशी निष्ठा के साथ **त्येन त्यक्तेन भुंजिथ:** को आदर्श मानते हुए बिना थके, बिना रूके, चलते रहे। इस दौरान कई बाधाएं, रूकावटें भी आई मगर दृढ़ इच्छाशक्ति से कार्य करते जाने की उनकी प्रवृत्ति के आगे सारी बाधाएं मानो काम के अवसर बन गई।

आज शरद जी हमारे बीच नहीं है मगर सिकोईडिकोन परिवार का हर सदस्य उनकी ऊर्जा व स्नेहिल उष्मा को भीतर महसूस करते हुए उन्हें शत–शत नमन करता है।

।श्रृद्धेयनमन।

बीज, अंकुर, वटवृक्ष बनाया, रात और दिन मेहनत में लगाया।
स्व शरीर की चिन्ता छोडी, सब के घर में दीप जलाया।
वो धीर पुरूष अब अमर रहे। वो धीर पुरूष अब अमर रहे.....।
वो मौनी, ज्ञानी, प्रिय सबके थे, वो मातृशक्ति के रक्षक थे।
वो दीन हीन के सेवक थे, वो सृष्टि, प्रकृति, अभिभावक थे।
वो धीर पुरूष अब अमर रहे.....।
वो अन्नदाता के धनी रहे, भूखा जन कोई नहीं रहे।
वो विनयभाव करबद्ध खडे, अतिथि तो उन्हें भगवान लगे।
वो धीर पुरूष अब अमर रहे.....।
वो लोकतन्त्र के वाहक थे, विपदा में फल दायक थे।
वो माता पिता के श्रवण थे, कार्यकर्ता के भगवन थे।
वो धीर पुरूष अब अमर रहे.....।
वो खेत–किसान की चिंता में, वो देशज ज्ञान की रक्षा में।
वो आदिनाथ की सेवा में, वो धर्मकर्म अविनाशी में।
वो धीर पुरूष अब अमर रहे.....।
वो बाग, तडाग, तरूवर में, वो चन्दन, चारू, चिरागों में।
वो कल्पवृक्ष की छांओं में, वो गगन, गांव, गुन्जारों में।
वो धीर पुरूष अब अमर रहे.....।

– डॉ. अनिल भारद्वाज

सिविल सोसायटी ने जारी की सरकार के काम–काज की रपट

जिन वादों को पूरा करने की प्रतिबद्धता के साथ सरकारे चुनकर आती है उन वादों व सरकार के काम– काज के प्रति आमजन व सरकार को रूबरू करवाने के उद्देश्य से सिकोईडिकोन व साथी संगठनों द्वारा भाजपा सरकार के पाँच वर्ष (2013–18) के कार्यकाल की समीक्षा रिपोर्ट दिनांक 8 अगस्त, 2018 को विकास अध्ययन संस्था में सभी प्रमुख राजनैतिक दलों, संस्था जगत के प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों व मीडिया प्रतिनिधियों की मौजूदगी में जारी की गई। इस अवसर पर सुविख्यात अर्थशास्त्री राजस्थान आयोजना बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष श्री वी. एस. व्यास ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकारों को अपनी जवाबदेही के प्रति संवेदनशील करने हेतु नागरिक समीक्षा रिपोर्ट एक ऐसा माध्यम है जो सृजनात्मक संवाद के माध्यम से जन अपेक्षाओं को सरकार तक पहुँचाता है। कार्यक्रम में कांग्रेस की उपाध्यक्षा डॉ. अर्चना शर्मा, भाजपा के नीति एवं शोध विभाग के अध्यक्ष डॉ. अखिल शुक्ला, आम आदमी पार्टी के संयोजक श्री वीरेन्द्र कुमार, कम्युनिस्ट पार्टी की श्रीमती निशा सिद्धु द्वारा इस रिपोर्ट की सराहना करते हुए इसे सरकार व सिविल सोसायटी के बीच संवाद का सशक्त जरिया बताया। उल्लेखनीय है कि नागरिक समीक्षा रिपोर्ट में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल अधिकार, आजीविका जैसे आधारभूत विषयों पर सरकार द्वारा की गई घोषणाओं, वादों का आंकलन कर प्रगति विवरण प्रस्तुत किया गया। यह कार्य प्रथम–राजस्थान, दलित अधिकार केंद्र, प्रयास संस्था, विकास अध्ययन संस्था, दूसरा दशक, द हंगर प्रोजेक्ट, बजट अध्ययन केंद्र, साझा मंच, किसान सेवा समिति महासंघ व सामाजिक न्याय एवं विकास समिति के सहयोग से संपादित हुआ।

जन घोषणा पत्र के माध्यम से जन अपेक्षाओं को राजनैतिक दलों तक पहुँचाया –

सिकोईडिकोन द्वारा विभिन्न सहभागी संस्थाओं के माध्यम से राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में विधान सभा चुनाव पूर्व जन अभियान के माध्यम से लोगों की अपेक्षाओं को संकलित कर विभिन्न राजनैतिक दलों तक पहुँचाया। जन घोषणा पत्र के नाम से चलाए गए इस अभियान में किसानों, महिलाओं, युवाओं, शिक्षाविदों, दलित व वंचित समुदायों से उनके विकास की प्राथमिकताओं पर चर्चा–गोष्ठी करने के उपरांत उन

प्राथमिकताओं को संकलित कर जनघोषणा पत्र राजनैतिक दलों को इस अपेक्षा के साथ सौंपा गया कि वे इन चिन्हत मुद्दों को अपने चुनावी घोषणा पत्र में शामिल करें। सभी राजनैतिक दलों द्वारा इस पहल का स्वागत करते हुए लोगों की अपेक्षाओं को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करने का आश्वासन दिया। लगभग दो महीने तक चली इस सघन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का उद्देश्य एक भागीदारीपूर्ण व जवाबदेही व्यवस्था को बढ़ावा देना है। यह प्रक्रिया 100 से अधिक संस्थाओं व जनसंगठनों की भूमिका व सहयोग से सम्पन्न हुई।

खेती–किसानी के मुद्दों पर संगोष्ठी

खेती किसानी पर बढ़ते बाजार के शिकंजे से उपजे खाद्य सुरक्षा के संकट, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव व खेती में बढ़ रही लागत जैसे मुद्दों पर 18 दिसम्बर, 2018 को सिकोईडिकोन के स्वराज परिसर में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस बैठक में सुप्रसिद्ध पर्यावरणविद् व सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. वंदना शिवा के साथ किसान संगठनों के प्रतिनिधियों का संवाद हुआ। डॉ. वंदना शिवा ने कहा कि विदेशी कम्पनियों के मकड़जाल से किसानों को मुक्त करने का सशक्त तरीका है 'बीज स्वराज' जिसके माध्यम से स्थानीय बीजों को संग्रहित किया जाए व समाज व सरकार द्वारा उसे प्रोत्साहन दिया जाए। उन्होंने कहा कि बीज और कीटनाशक बेचकर विदेशी कम्पनियाँ अपना मुनाफा लगातार बढ़ा रही है और हमारी खेती की लागत बढ़ती जा रही है और मुनाफा कम होता जा रहा है। किसान सेवा समिति महासंघ के प्रतिनिधियों ने कहा कि जल, जंगल और जमीन समुदाय के हाथ से निकलकर बाजार के हाथ में चले गए है और बाजार ने इन्हें सिर्फ मुनाफे की नज़र से देखा, प्राकृतिक संपदा की नज़र से नहीं। उन्होंने कहा कि जी.एम. बीजों से राजस्थान को मुक्त रखने के उनके प्रयास लगातार जारी है और नई सरकार से भी उनकी अपेक्षा रहेगी कि राजस्थान को जी. एम. मुक्त घोषित करे।

समुदाय ने हर्षोल्लास से मनाया हरित पर्व – पीपल विवाह

हमारे स्थानीय पर्व व त्यौंहारों को मनाए जाने के पीछे बड़ा उद्देश्य प्रकृति व मनुष्य के आपसी संबंध के ताने–बाने को सरस व सुदृढ़ करना रहा है। वर्तमान समय में पर्यावरण से जुड़ी बडी समस्याओं की जड़ यही है कि मनुष्य व प्रकृति के बीच सहभागिता का संतुलन निरंतर बिगड़ता जा रहा है। परिणामस्वरूप जलवायु परिवर्तन जैसा गंभीर संकट पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

सैकड़ों वर्षों से स्थानीय समुदाय द्वारा मनाए जाने वाले प्राकृतिक पर्व पीपल विवाह के पीछे भी प्रकृति के प्रति समुदाय का ऋणी भाव ही है। पीपल की सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरणीय उपादेयता इसे विशिष्ट बनाती है।

पीपल की इसी उपादेयता को ध्यान में रखते हुए सामुदायिक जनसंगठनों द्वारा 9 जून, 2018 को सिकोईडिकोन के शीलकी डूंगरी स्थित परिसर में हरित पर्व पीपल विवाह का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य पीपल पूजा के माध्यम से प्राकृतिक संरक्षण व देशज ज्ञान के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करना व पीपल की वैज्ञानिक, आध्यात्मिक व पर्यावरणीय महत्ता को जन–जन तक पहुँचाना था। इस सामुदायिक कार्यक्रम में करीब तीन हजार से अधिक स्थानीय ग्रामीण जन व जनसंगठनों ने हर्षोल्लास से परम्परागत रीतियों के साथ पीपल वृक्ष की पूजा–अर्चना कर जन कल्याण की कामना की।

नवनिर्वाचित विधायकों से संवाद

राजस्थान में विधानसभा चुनाव के पश्चात् चुनकर आए विधायकों के साथ संवाद का आयोजन किसान सेवा समिति व जनसंगठनों द्वारा चाकसू, फागी, मालपुरा, निवाई व शाहबाद क्षेत्र में रखा गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को स्थानीय मुद्दों व आमजन की आकांक्षाओं से अवगत करवाना तथा सहभागिता के साथ विकास के कार्य करने हेतु वातावरण निर्माण करना है। इस कार्यक्रम में चाकसू के विधायक श्री वेद प्रकाश सोलंकी, निवाई के श्री प्रशांत बैरवा, मालपुरा के श्री कन्हैया लाल चौधरी व शाहबाद की श्रीमती निर्मला सहरिया ने इस संवाद प्रक्रिया को सकारात्मक पहल बताते हुए, संस्था व किसान सेवा समिति का आश्वस्त किया कि जनहित के मुद्दों पर वे संगठन के साथ मिलकर विकास के काम को आगे बढ़ाएंगे।

महिला सहकारी समितियों की आमसभा का आयोजन

महिलाओं के सशक्तिकरण एवं आर्थिक स्वावलम्बन के उद्देश्य से चाकसू, फागी, निवाई, मालपुरा व शाहबाद में संचालित महिला सहकारी समितियों की आमसभा में महिलाओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। चाकसू– फागी में चार हजार से अधिक संख्या में महिलाओं ने अपनी सहकारी समिति के आय–व्यय सहित विभिन्न निर्णयों व प्रस्तावो में भागीदारी की। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी महिलाओं के सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण पर जोर दिया और समितियों की लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली की सराहना की।

किसान सम्मेलन में सुब्बाराव जी का हुआ किसानों से संवाद

सिकोईडिकोन और किसान सेवा समिति महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 4 मार्च, 2019 को शीलकी डूंगरी स्थित सिकोईडिकोन परिसर में किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य खेती– किसानी के मुद्दों पर चर्चा व कृषि क्षेत्र की प्राथमिकताओं को चिन्हित करना था। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध गांधीवादी विचारक व सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. एस.एन. सुब्बाराव ने मुख्य वक्ता के रूप में किसानों के समक्ष अपने विचार व्यक्त किए।

उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान समय में कृषि क्षेत्र पूरी तरह से बाजार के नियंत्रण में आ चुका है। बड़ी–बड़ी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां बीज बाजार पर एकाधिकार करते हुए मुनाफा कमा रही है जबकि किसानों की लागत लगातार बढ़ती जा रही है और उत्पादन का मूल्य लागत के अनुपात में कम मिल रहा है। उन्होंने कहा कि खेती–किसानी की समस्याओं का हल कर्जमाफी नहीं है बल्कि किसानों को इस योग्य बनाना कि वे स्वयं अपने उद्यम से पर्याप्त पोषण युक्त खाद्यान्न उत्पन्न कर सकें। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री अशोक माथुर ने राज्य के कृषि संबंधी परिदृश्य को प्रस्तुत करते हुए कहा कि यदि सरकार की विभिन्न योजनाएं छोटे और लघु किसानों तक बिना किसी बाधा के पहुंच जाए तो भी किसान की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो सकती है। इस कार्यक्रम में एक हजार से अधिक किसानों व जनप्रतिनिधियों ने भागीदारी की।

जलवायु परिवर्तन पर वैश्विक सम्मेलन कॉप–24 में भागीदारी

दिसम्बर माह में संयुक्त राष्ट्र संघ की ईकाई यूनाइटेड नेशंस कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज द्वारा जलवायु परिवर्तन पर प्रतिवर्ष होने वाले वैश्विक सम्मेलन कॉप–24 में सिकेाईडिकोन की ओर से 12 सदस्यों के प्रतिनिधि मंडल ने भागीदारी की। विश्व के समस्त राष्ट्रों के प्रतिनिधियों की भागीदारी से होने वाले इस सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चिंताओं, समझौतों व प्रयासों को साझा किया जाता है। सिकोईडिकोन, पैरवी व मौसम द्वारा संयुक्त रूप से इस सम्मेलन में दो साइड इवेंटस का आयोजन किया गया जिनमें जलवायु परिवर्तन के लिए आवश्यक तकनीक व वित्तीय संसाधनों पर विकसित राष्ट्रों की उदासीनता पर चिंता व्यक्त की गई।

इस आयोजन में भागीदारी से पूर्व सिकोईडिकोन व मौसम द्वारा नई दिल्ली में प्री–कॉप का आयोजन किया गया जिसमें जलवायु परिवर्तन पर भारत व दुनिया के जनसंगठनों, पर्यावरणविदों व किसान संगठनों की विश्व की सरकारों से अपेक्षाओं व चुनौतियों पर चर्चा की गई। इस सम्मेलन में पोलैण्ड के दूतावास से एडम बुराकोवास्की व फीजी के उच्चायुक्त श्री योगेश पुंजा, सेंटर ऑफ साइंस एण्ड एन्वायर्नमेंट के श्री चंद्रशेखर सहित विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया व अपने विचार व्यक्त किए।

सतत् विकास लक्ष्यों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

सतत् विकास लक्ष्यों के एजेंडा 2030 पर सिकोईडिकोन, मौसम व पैरवी द्वारा संयुक्त तत्वावधान में 16 सितम्बर, 2018 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय संगोष्ठी को आयोजन किया गया। संगोष्ठी में सतत विकास लक्ष्यों पर भारत में हुई प्रगति पर चर्चा की गई एवं हाई लेवल पॉलिटिकल फोरम के तहत चल रही प्रक्रियाओं का विवरण प्रस्तुत किया गया। बैठक में करीब 70 प्रतिनिधियों ने भागीदारी की।

सतत् विकास पर दक्षिण एशिया फोरम की बैठक में भागीदारी

नीति आयोग द्वारा सतत् विकास लक्ष्यों पर दक्षिण एशिया फोरम की बैठक का आयोजन 4–5 अक्टूबर, 2018 को नई दिल्ली में किया गया। इस बैठक में सिकोईडिकोन व मौसम के प्रतिनिधियों ने भागीदारी की एवं भारत के संदर्भ में सिविल सोसायटी का प्रतिनिधित्व करते हुए सतत् विकास लक्ष्यों की मॉनिटरिंग, क्रियान्वयन व लक्ष्यों को हासिल करने के प्रति राजनैतिक इच्छा शक्ति से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं व चुनौतियों पर विचार व्यक्त किए।

कमिशन ऑन द स्टेटस ऑफ वुमन के 63वें सत्र में भागीदारी

जेंडर समानता पर काम कर रही संयुक्त राष्ट्र संघ की ईकाई कमिशन ऑन द स्टेटस ऑफ वुमन के 63वें सत्र में सिकोईडिकोन के प्रतिनिधि मण्डल ने भागीदारी की। इस सत्र का मुख्य विषय ''जेंडर समानता और महिलाओं व लड़कियों के लिए सामाजिक सुरक्षा तंत्र, लोक सेवाओं तक पहुँच व टिकाऊ संरचना'' था। इस आयोजन में दुनियाभर से सरकारी प्रतिनिधि, स्वयंसेवी संस्थाओं व जनसंगठनों ने भागीदारी की। सिकोईडिकोन द्वारा एक साइड इवेंट का आयोजन किया गया जिसमें जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में ग्रामीण महिलाओं की चिंताओं व मुद्दों पर प्रमुखता से विचार किया गया। ग्रामीण महिलाओं को आज भी उनकी जरूरतों, चुनौतियों व अपेक्षाओं के अनुरूप नीतियों, कार्यक्रमों की क्रियान्विति का लाभ न मिल पाना चिंता का विषय है। इस आयोजन में सिकोईडिकोन की तरफ से श्रीमती अपर्णा सहाय, विभूति जोशी व चारू जोशी ने भागीदारी की।

परियोजनाएं

समेकित ग्रामीण विकास के लिए सहभागिता पहल परियोजना

गरीब, वंचित वर्ग व लघु किसानों की खाद्य सुरक्षा को लक्षित पी आई आई आर डी परियोजना के सातवें चरण के प्रथम वर्ष में आजीविका सुरक्षा, मूल अधिकार व संस्थागत विकास के तहत विभिन्न गतिविधियाँ व कार्यक्रम संचालित किए गए।

किसान सेवा समिति व स्थानीय ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों के सहयोग से 4 ग्राम पंचायतों में जेंडर संवेदी कार्य योजना तैयार की गई और उसे पंचायत स्तरीय विकास योजना में शामिल करवाया गया। यह प्रक्रिया अपने आप में नई पहल थी जो ग्रामीण विकास में महिलाओं व पुरूषों की समान भागीदारी व सम्मान को प्रोत्साहित करती है। इससे पूर्व संबंधित पंचायतों में युवाओं व समुदाय के साथ जेंडर समानता पर जागरूकता बैठकें आयोजित कर वातावरण निर्माण किया गया। इस महत्वपूर्ण पहल में पंचायत प्रतिनिधियों, जनसंगठनों, युवा मंडलों व महिला संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आजीविका सुरक्षा के तहत 2 ग्राम पंचायतों में जलवायु परिवर्तन अनुकूलन योजना तैयार की गई जिसमें स्थानीय समुदाय व जनसंगठनों के साथ मिलकर गाँव की भौगोलिक स्थितियों के अनुसार आवश्यक कार्य चिन्हित किए गए। इसके पश्चात उन कार्यों के क्रियान्वयन हेतु उसे प्रस्ताव रूप देकर संबंधित पंचायत की विकास योजना में जुड़वाया गया।

पोषणयुक्त खाद्यान्न को प्रोत्साहन करने हेतु किसानों को किचन गार्डन, वर्मी कम्पोस्ट, कम्पोस्ट पीट की सहायता प्रदान की गई।

संस्थागत विकास कार्यक्रम के तहत जन संगठनों के साथ संगठनों की प्रासंगिकता व विकास में भूमिका विषय पर दो दिवसीय क्षमतावर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें किसान सेवा समिति के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भागीदारी की।

पिछले एक वर्ष में जन संगठनों द्वारा विभिन्न मुद्दों पर अभियान, ज्ञापन व बैठकें आयोजित कर सामुदायिक जागरूकता हेतु वातावरण निर्माण किया है। शाहबाद में व्यापक स्तर पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली में हो रही खामियों को उजागर कर करीब 750 परिवारों को तीन महीने से लंबित पड़ा राशन दिलवाया। इसी प्रकार करीब 520 से अधिक लोगों को किसान सेवा समिति व ग्राम विकास समिति द्वारा सामाजिक सुरक्षा की विभिन्न योजनाओं से जुड़वाया।

किसान सेवा समिति महासंघ द्वारा केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री राधामोहन सिंह को खेती संबंधी विभिन्न चिंताओं पर सामूहिक ज्ञापन प्रस्तुत किया जिसमें पेयजल, चारागाह अतिक्रमण, पशुओं से सुरक्षा हेतु तारबंदी व फसल का उचित मूल्य सुनिश्चित करवाने से संबंधित मुद्दे शामिल थे।

इस प्रकार पी.आई.आई.आर.डी. परियोजना के तहत जनसंगठनों द्वारा स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सरकार व मीडिया के साथ सृजनात्मक संबंध मजबूत हुए है और भागीदारीपूर्ण विकास हेतु वातावरण निर्माण हुआ।

जन संगठनों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्य

शाहबाद

- शाहबाद के पाँच गाँवों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में चल रही अनियमितता को व्यापक अभियान के माध्यम से उजागर किया एवं अनियमितता से प्रभावित 750 परिवारों को तीन महीने का लंबित राशन दिलवाया।
- ग्राम खैराई में 40 चिन्हित परिवारों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़वाया।
- बमनगवाँ ग्राम पंचायत में दो अध्यापकों के रिक्त पदों पर नियुक्ति करवाई।
- 200 नरेगा कर्मियों के रूके भुगतान को नियमित करवाया।
- 288 लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा की विभिन्न योजनाओं से जुड़वाया।
- सहरिया परिवार के मुखिया की मृत्यु हो जाने पर 90 महिला मुखियाओं को दस हजार रूपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई।
- 659 श्रमिकों के श्रमिक कार्ड बनवाए गए।
- 134 लाभार्थियों को बेरोजगारी भत्ता दिलवाने में सहायता पहुँचाई।

मालपुरा

- 65 लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा की विभिन्न योजनाओं से व 9 परिवारों को खाद्य सुरक्षा से जुड़वाया।
- 20 परिवारों को किसान सम्मान निधि योजना से जुड़वाया।
- हाथकी, गनवर ढ़ाणी, सिन्धोलिया व मलिकपुर गाँव में 700 श्रमिकों के नरेगा कार्य हेतु आवेदन करवाए।
- अविकानगर में किसान सेवा समिति द्वारा केंद्रीय कृषि मंत्री को 10 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया।

निवाई

- 15 लाभार्थियों को कृषि यंत्र हेतु सब्सिडी का लाभ सुनिश्चित करवाने में सहायता प्रदान की गई।
- 47 परिवारों को विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़वाया।
- 13 परिवारों को खाद्य सुरक्षा का लाभ सुनिश्चित करवाया।
- 12 किसानों को फार्म पौंड योजना का लाभ पहुँचाया।

- 17 गाँवों में नरेगा कार्य हेतु श्रमिक आवेदन करवाए।
- 13 महिलाओं के घरेलू हिंसा संबंधी विवादों का सामूहिक सहमति से निस्तारण करवाया।
- पशुओं में मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु, बीसलपुर जल आपूर्ति के बाद कनेक्शन चालू करवाने हेतु, फसल खराबा के मुआवजे हेतु; आवारा पशुओं की रोकथाम हेतु, विभिन्न सरकारी अधिकारियों को ज्ञापन दिए गए।

चाकसू

- 145 लोगों के विभिन्न सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं का लाभ लेने हेतु आवेदन करवाए गए।
- 18 विद्यालयों में मिड–डे मिल की व्यवस्था को नियमित करवाया गया।
- 20 आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषाहार वितरण को नियमित करवाया गया।
- शिक्षा से वंचित 45 बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करवाया।
- नरेगा कार्य हेतु 228 श्रमिकों के आवेदन प्रस्तुत करवाए गए।

फागी

- खाद्य सुरक्षा का लाभ पहुँचाने हेतु 55 परिवारों के आवेदन करवाने में सहायता प्रदान की।
- सामाजिक सुरक्षा की विभिन्न योजनाओं से 35 परिवारों को जोड़ा गया।
- 6 आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषाहार वितरण की गुणवत्ता सही करवाई गई।
- 70 श्रमिकों को नरेगा कार्य के लिए आवेदन करवाने में सहायता पहुँचाई।
- 10 परिवारों को नए राशन कार्ड आवेदन करने में मदद पहुँचाई।

बेटियों के प्रति समाज को संवेदनशील करने की सशक्त मुहिम

बेटियों के प्रति समाज के नजरिऐ व व्यवहार में सकारात्मक बदलाव हेतु सरकार व संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के सहयोग से सिकोईडिकोन द्वारा राज्य में व्यापक स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान, चिराली योजना, साझा अभियान व उजाला क्लिनिक जैसी पहल शामिल है, जिन्हें समेकित दृष्टिकोण के साथ स्थानीय समुदाय, पंचायत, सरकार, युवक– युवतियों व स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इन सभी कार्यक्रमों में शिक्षा, स्वास्थ्य, बाल अधिकार से जुड़े मुद्दे रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से समाज तक पहुँचाए जा रहे है। इस प्रयास के कुछ महत्वपूर्ण परिणाम इस प्रकार है :–

- विभिन्न अभियानों व गतिविधियों से संस्थागत तंत्र सुदृढ़ हुआ है। ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य व पोषक समितियाँ महिलाओं व बेटियों के प्रति अधिक सजग हुई है। पी सी पी एन डी टी एक्ट व मुखबिर योजना की जानकारी के कारण बेटियों के प्रति सुरक्षा का वातावरण निर्माण हुआ है।
- बाल मित्रवत पंचायत व विद्यालयों के निर्माण से बालिकाओं के लिए सुरक्षित वातावरण का निर्माण हुआ है।

- बालिका, किशोरियों व महिलाओं के विषयों पर विभिन्न सरकारी विभाग एक मंच पर आए है जिससे व्यापक दृष्टिकोण से कार्य योजना विकसित करने में मदद मिली है।
- उजाला क्लिनिक्स के माध्यम से बालक–बालिकाओं की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ी है।
- बाल विवाह के प्रति मीडिया में संवेदनशीलता बढ़ी है और इसे रोकने व लोगों को जागरूक करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका उभरी है।
- सरकारी स्वास्थ्य केन्द्रों पर महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित हो सके इस हेतु स्वास्थ्य अधिकारियों का प्रशिक्षण व ढ़ांचागत सुविधाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किए गए।

बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण हेतु नई परियोजना का शुभारंभ

बच्चों की समुचित शिक्षा, स्वास्थ्य व उनके जीवन जीने हेतु सुरक्षित वातावरण निर्माण को केंद्र में रखते हुए आई पार्टनर के सहयोग से मालपुरा के भीपुर व जयसिंहपुरा गाँव में नई परियोजना का शुभारंभ किया गया। इस परियोजना के तहत बच्चों के परिवारों की समझाईश, स्थानीय लोकतांत्रिक संस्थाओं का क्षमतावर्धन, युवाओं के लिए स्कॉलरशिप, परिवारों के लिए आजीविका के वैकल्पिक संसाधन जुटाना व नीतिगत बदलाव के कार्य समग्र रूप से संचालित किए जा रहे है।

परियोजना के अंतर्गत अभी तक आजीविका केंद्र खोला जा चुका है, बाल पंचायतों का गठन व उनका सशक्तिकरण का कार्य प्रारंभ हो गया है, युवा मंडलों का गठन हो चुका है एवं 522 युवाओं को स्कॉलरशिप देने हेतु चिन्हित किया जा चुका है। परियोजना के कार्यों की प्रगति को देखते हुए इस परियोजना के कार्यक्षेत्र का विस्तार किया जा सकेगा।

जैसलमेर में सशक्त हुए समुदाय आधारित कार्य

सुज़लोन फाउण्डेशन के साथ जैसलमेर के 36 गाँवों में सृजन परियोजना के अंतर्गत एवं 3 गाँवों में सक्सेस परियोजना के तहत समुदाय आधारित कार्य संचालित किए जा रहे है। इन दोनों परियोजनाओं में समुदाय आधारित संगठनों के साथ 51 पशु स्वास्थ्य शिविर, 39 नेत्र जाँच शिविर व 35 गाँवों में पौधारोपण के कार्य सम्पन्न हुए। इसके अतिरिक्त 2 गाँवों में तालाब खुदाई व 55 टाँकों को छतों से जोड़ा गया है। इसी परियोजना के तहत पूनम नगर गाँव की 15 महिलाओं को सिलाई प्रशिक्षण से जोड़कर उनकी आजीविका सुरक्षित करने का प्रयास किया गया।

चाइल्ड लाइन, जैसलमेर के बढ़ते कदम

जैसलमेर में वर्ष 2011 से सिकोईडिकोन द्वारा चाइल्ड हैल्प लाइन 1098 का संचालन किया जा रहा है। वर्ष 2018–19 में चाइल्ड लाइन जैसलमेर द्वारा 20 बच्चों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध करवाई गई, 46 बच्चों के पुनर्वास व आश्रय की व्यवस्था की गई, 38 बच्चों को सरकार की विभिन्न योजनाओं से जोड़ा गया, प्रताड़ना से पीड़ित 60 बच्चों की सहायता व समझाईश की गई व एक गुमशुदा बच्चे को उसके परिवार से मिलवाया गया।

इस प्रकार बच्चों की सुरक्षा व देखभाल के लिए चाइल्ड लाइन जैसलमेर जिला बाल कल्याण समिति, पुलिस, प्रशासन, शिक्षा विभाग, श्रम विभाग, रेल्वे व चिकित्सा विभाग के सहयोग से प्रतिबद्धता के साथ अपने कार्य में जुटी है।

आम सभा

सुराज का संकल्प और जन अपेक्षाएँ
राजस्थान सरकार के कार्यकाल (2013-2018) की समीक्षा
नागरिक रपट- 2018
08 अगस्त, 2018
स्थान : विकास अध्ययन संस्थान, जयपुर

शैक्षणिक, सीमित व निजी प्रसार हेतु प्रकाशित :-

सेन्टर फॉर कम्यूनिटी इकोनोमिक्स एण्ड डेवलपमेंट कन्सलटैंट्स सोसायटी

स्वराज परिसर, एफ-159-160, औद्योगिक व संस्थागत क्षेत्र
सीतापुरा, जयपुर-302022 (राज.)
फोन : 0141-2771488
फैक्स : 0141-2770330
ई-मेल : cecoedecon@gmail.com
वेबसाईट : www.ceocedecon.org.in

संरक्षक : श्रीमती मंजू जोशी
संपादक : डॉ. आलोक व्यास
ग्राफिक्स : रामचन्द्र शर्मा व भँवरलाल जाट

BOOK POST